Ram Chalisa Lyrics with Meaning in English and Hindi

Ram Chalisa Lyrics in Hindi

॥ दोहा ॥
आदौ राम तपोवनादि गमनं हत्वाह् मृगा काञ्चनं, वैदेही हरणं जटायु मरणं सुग्रीव संभाषणं
बाली निर्दलं समुद्र तरणं लङ्कापुरी दाहनम्, पश्चद्रावनं कुम्भकर्णं हननं एतद्धि रामायणं

॥ चौपाई ॥
श्री रघुबीर भक्त हितकारी । सुनि लीजै प्रभु अरज हमारी ॥

निशि दिन ध्यान धरै जो कोई । ता सम भक्त और नहिं होई ॥

ध्यान धरे शिवजी मन माहीं । ब्रह्मा इन्द्र पार नहिं पाहीं ॥

जय जय जय रघुनाथ कृपाला । सदा करो सन्तन प्रतिपाला ॥

दूत तुम्हार वीर हनुमाना । जासु प्रभाव तिहूँ पुर जाना ॥

तुव भुजदण्ड प्रचण्ड कृपाला । रावण मारि सुरन प्रतिपाला ॥

तुम अनाथ के नाथ गोसाईं । दीनन के हो सदा सहाई ॥

ब्रह्मादिक तव पार न पावैं । सदा ईश तुम्हरो यश गावैं ॥

चारिउ वेद भरत हैं साखी । तुम भक्तन की लज्जा राखी ॥

गुण गावत शारद मन माहीं । सुरपति ताको पार न पाहीं ॥

नाम तुम्हार लेत जो कोई । ता सम धन्य और नहिं होई ॥

राम नाम है अपरम्पारा । चारिहु वेदन जाहि पुकारा ॥

गणपति नाम तुम्हारो लीन्हों । तिनको प्रथम पूज्य तुम कीन्हों ॥

शेष रटत नित नाम तुम्हारा । महि को भार शीश पर धारा ॥

फूल समान रहत सो भारा । पावत कोउ न तुम्हरो पारा ॥

भरत नाम तुम्हरो उर धारो । तासों कबहुँ न रण में हारो ॥

नाम शत्रुहन हृदय प्रकाशा । सुमिरत होत शत्रु कर नाशा ॥

लषन तुम्हारे आज्ञाकारी । सदा करत सन्तन रखवारी ॥

ताते रण जीते नहिं कोई । युद्ध जुरे यमहूँ किन होई ॥

महा लक्ष्मी धर अवतारा । सब विधि करत पाप को छारा ॥

सीता राम पुनीता गायो । भुवनेश्वरी प्रभाव दिखायो ॥

घट सों प्रकट भई सो आई । जाको देखत चन्द्र लजाई ॥

सो तुमरे नित पांव पलोटत । नवो निद्धि चरणन में लोटत ॥

सिद्धि अठारह मंगल कारी । सो तुम पर जावै बलिहारी ॥

औरहु जो अनेक प्रभुताई । सो सीतापति तुमहिं बनाई ॥

इच्छा ते कोटिन संसारा । रचत न लागत पल की बारा ॥

जो तुम्हरे चरनन चित लावै । ताको मुक्ति अवसि हो जावै ॥

सुनहु राम तुम तात हमारे । तुमहिं भरत कुल- पूज्य प्रचारे ॥

तुमहिं देव कुल देव हमारे । तुम गुरु देव प्राण के प्यारे ॥

जो कुछ हो सो तुमहीं राजा । जय जय जय प्रभु राखो लाजा ॥

रामा आत्मा पोषण हारे । जय जय जय दशरथ के प्यारे ॥

जय जय जय प्रभु ज्योति स्वरूपा । निगुण ब्रह्म अखण्ड अनूपा ॥

सत्य सत्य जय सत्य- ब्रत स्वामी । सत्य सनातन अन्तर्यामी ॥

सत्य भजन तुम्हरो जो गावै । सो निश्चय चारों फल पावै ॥

सत्य शपथ गौरीपति कीन्हीं । तुमने भक्तहिं सब सिद्धि दीन्हीं ॥

ज्ञान हृदय दो ज्ञान स्वरूपा । नमो नमो जय जापति भूपा ॥

धन्य धन्य तुम धन्य प्रतापा । नाम तुम्हार हरत संतापा ॥

सत्य शुद्ध देवन मुख गाया । बजी दुन्दुभी शंख बजाया ॥

सत्य सत्य तुम सत्य सनातन । तुमहीं हो हमरे तन मन धन ॥

याको पाठ करे जो कोई । ज्ञान प्रकट ताके उर होई ॥

आवागमन मिटै तिहि केरा । सत्य वचन माने शिव मेरा ॥

और आस मन में जो ल्यावै । तुलसी दल अरु फूल चढ़ावै ॥

साग पत्र सो भोग लगावै । सो नर सकल सिद्धता पावै ॥

अन्त समय रघुबर पुर जाई । जहाँ जन्म हरि भक्त कहाई ॥

श्री हरि दास कहै अरु गावै । सो वैकुण्ठ धाम को पावै ॥

॥ दोहा ॥
सात दिवस जो नेम कर पाठ करे चित लाय । हरिदास हरिकृपा से अवसि भक्ति को पाय ॥
राम चालीसा जो पढ़े रामचरण चित लाय । जो इच्छा मन में करै सकल सिद्ध हो जाय ॥

Ram Chalisa Meaning in Hindi

॥ दोहा ॥
आदौ राम तपोवनादि गमनं हत्वाह् मृगा काञ्चनं, वैदेही हरणं जटायु मरणं सुग्रीव संभाषणं

- सबसे पहले रामजी का तपोवन गमन, स्वर्ण मृग का वध, सीता हरण, जटायु की मृत्यु और सुग्रीव से वार्ता होती है।

बाली निर्दलं समुद्र तरणं लङ्कापुरी दाहनम्, पश्चद्रावनं कुम्भकर्णं हननं एतद्धि रामायणं

- इसके बाद बालि का वध, समुद्र पार करना, लंका दहन, रावण और कुम्भकर्ण का वध इन घटनाओं से ही रामायण बनती है।

॥ चौपाई ॥
श्री रघुबीर भक्त हितकारी । सुनि लीजै प्रभु अरज हमारी ॥

- हे रघुवीर! आप भक्तों का हित करने वाले हैं, कृपया मेरी विनती सुन लीजिए।

निशि दिन ध्यान धरै जो कोई । ता सम भक्त और नहिं होई ॥

- जो कोई रात-दिन आपका ध्यान करता है, उसके समान कोई दूसरा भक्त नहीं होता।

ध्यान धरे शिवजी मन माहीं । ब्रह्मा इन्द्र पार नहिं पाहीं ॥

- स्वयं शिवजी अपने मन में आपका ध्यान करते हैं, और ब्रह्मा व इन्द्र भी आपकी महिमा का अंत नहीं पा सकते।

जय जय जय रघुनाथ कृपाला । सदा करो सन्तन प्रतिपाला ॥

- जय हो, जय हो, हे रघुनाथ कृपालु! आप हमेशा संतों की रक्षा करते हैं।

दूत तुम्हार वीर हनुमाना । जासु प्रभाव तिहूँ पुर जाना ॥

- आपके दूत वीर हनुमान हैं, जिनकी महिमा तीनों लोकों में प्रसिद्ध है।

तुव भुजदण्ड प्रचण्ड कृपाला । रावण मारि सुरन प्रतिपाला ॥

- आपकी शक्तिशाली भुजाएं कृपा से भरी हुई हैं। आपने रावण का वध करके देवताओं की रक्षा की।

तुम अनाथ के नाथ गोसाईं । दीनन के हो सदा सहाई ॥

- आप अनाथों के नाथ और दीनों के सदा सहायक हैं।

ब्रह्मादिक तव पार न पावैं । सदा ईश तुम्हरो यश गावैं ॥

- ब्रह्मा आदि देवता भी आपकी महिमा का पार नहीं पा सकते, वे सदा आपकी स्तुति करते हैं।

चारिउ वेद भरत हैं साखी । तुम भक्तन की लज्जा राखी ॥

- चारों वेद आपके प्रमाण हैं और आप हमेशा अपने भक्तों की लाज रखते हैं।

गुण गावत शारद मन माहीं । सुरपति ताको पार न पाहीं ॥

- माता शारदा आपके गुणों का मन में गान करती हैं, और इन्द्र भी आपके गुणों का अंत नहीं पा सकते।

नाम तुम्हार लेत जो कोई । ता सम धन्य और नहिं होई ॥

- जो व्यक्ति आपका नाम लेता है, उसके समान धन्य और कोई नहीं हो सकता।

राम नाम है अपरम्पारा । चारिहु वेदन जाहि पुकारा ॥

- राम का नाम अनन्त है, चारों वेद भी इसका गुणगान करते हैं।

गणपति नाम तुम्हारो लीन्हों । तिनको प्रथम पूज्य तुम कीन्हों ॥

- गणपति ने भी आपका नाम लिया और आपने उन्हें प्रथम पूज्य बना दिया।

शेष रटत नित नाम तुम्हारा । महि को भार शीश पर धारा ॥

- शेषनाग नित्य आपका नाम रटते हैं और पृथ्वी को अपने सिर पर धारण किए हुए हैं।

फूल समान रहत सो भारा । पावत कोउ न तुम्हरो पारा ॥

- उनके लिए वह भार फूल के समान हल्का है, आपकी महिमा को कोई नहीं समझ सकता।

भरत नाम तुम्हरो उर धारो । तासों कबहुँ न रण में हारो ॥

- जो भरत आपके नाम को अपने हृदय में धारण करते हैं, वे कभी युद्ध में पराजित नहीं होते।

नाम शत्रुहन हृदय प्रकाशा । सुमिरत होत शत्रु कर नाशा ॥

- शत्रुघ्न आपके नाम का स्मरण करते हैं, जिससे उनके शत्रुओं का नाश हो जाता है।

लषन तुम्हारे आज्ञाकारी । सदा करत सन्तन रखवारी ॥

- लक्ष्मण आपकी आज्ञा का पालन करते हैं और हमेशा संतों की रक्षा में तत्पर रहते हैं।

ताते रण जीते नहिं कोई । युद्ध जुरे यमहूँ किन होई ॥

- इसलिए कोई भी उन्हें युद्ध में हरा नहीं सकता। यदि यमराज भी युद्ध में आएं तो हार जाएं।

महा लक्ष्मी धर अवतारा । सब विधि करत पाप को छारा ॥

- आप महालक्ष्मी के अवतार हैं, जो सभी प्रकार के पापों का नाश करते हैं।

सीता राम पुनीता गायो । भुवनेश्वरी प्रभाव दिखायो ॥

- सीता और राम की पवित्र महिमा गाई जाती है, जो भुवनेश्वरी (जगत की अधीश्वरी) के प्रभाव को दर्शाती है।

घट सों प्रकट भई सो आई । जाको देखत चन्द्र लजाई ॥

- वह शक्ति घट से प्रकट हुई, जिसे देखकर स्वयं चंद्रमा भी लज्जित हो गया।

सो तुमरे नित पांव पलोटत । नवो निद्धि चरणन में लोटत ॥

- वह शक्ति नित्य आपके चरणों में लोटती है, और नौ निधियाँ आपके चरणों में निवास करती हैं।

सिद्धि अठारह मंगल कारी । सो तुम पर जावै बलिहारी ॥

- अठारह प्रकार की सिद्धियाँ, जो मंगलकारी हैं, वे भी आपकी महिमा पर बलिहारी जाती हैं।

औरहु जो अनेक प्रभुताई । सो सीतापति तुमहिं बनाई ॥

- अन्य जितनी भी महान शक्तियाँ और प्रभुताएँ हैं, वे सब भी आपने ही बनाईं।

इच्छा ते कोटिन संसारा । रचत न लागत पल की बारा ॥

- आपकी इच्छा से करोड़ों संसार रच जाते हैं और इसमें एक पल भी नहीं लगता।

जो तुम्हरे चरनन चित लावै । ताको मुक्ति अवसि हो जावै ॥

- जो व्यक्ति आपके चरणों में मन लगाता है, उसे अवश्य ही मुक्ति प्राप्त होती है।

सुनहु राम तुम तात हमारे । तुमहिं भरत कुल- पूज्य प्रचारे ॥

- हे राम ! सुनिए, आप हमारे लिए पूजनीय हैं, और भरत कुल में आपकी प्रतिष्ठा महान है ।

तुमहिं देव कुल देव हमारे । तुम गुरु देव प्राण के प्यारे ॥

- आप हमारे देवताओं के भी देव हैं और हमारे प्राणों से भी अधिक प्रिय गुरु हैं ।

जो कुछ हो सो तुमहीं राजा । जय जय जय प्रभु राखो लाजा ॥

- जो कुछ भी है, उसके राजा केवल आप ही हैं । हे प्रभु ! जय हो, जय हो, हमारी लाज रखिए ।

रामा आत्मा पोषण हारे । जय जय जय दशरथ के प्यारे ॥

- हे राम ! आप हमारी आत्मा के पोषणकर्ता हैं । जय हो, दशरथ नंदन प्यारे ।

जय जय जय प्रभु ज्योति स्वरूपा । निगुण ब्रह्म अखण्ड अनूपा ॥

- हे प्रभु ! जय हो, आप ज्योति स्वरूप हैं । आप निर्गुण, अखंड और अनोखे ब्रह्म हैं ।

सत्य सत्य जय सत्य- ब्रत स्वामी । सत्य सनातन अन्तर्यामी ॥

- सत्यस्वरूप प्रभु ! जय हो । आप सत्य के स्वामी, सनातन और सबके हृदय में वास करने वाले अन्तर्यामी हैं ।

सत्य भजन तुम्हरो जो गावै । सो निश्चय चारों फल पावै ॥

- जो व्यक्ति आपका सत्य भजन गाता है, वह निश्चित रूप से धर्म, अर्थ, काम और मोक्ष – चारों फलों को प्राप्त करता है ।

सत्य शपथ गौरीपति कीन्हीं । तुमने भक्तहिं सब सिद्धि दीन्हीं ॥

- गौरीपति (शिवजी) ने सत्य शपथ खाकर कहा कि आपने अपने भक्तों को सभी सिद्धियाँ प्रदान की हैं ।

ज्ञान हृदय दो ज्ञान स्वरूपा । नमो नमो जय जापति भूपा ॥

- हे ज्ञान स्वरूप प्रभु ! हमें अपने ज्ञान से संपन्न कर दीजिए। आपको बारंबार प्रणाम है।

धन्य धन्य तुम धन्य प्रतापा । नाम तुम्हार हरत संतापा ॥

- धन्य हैं आप, धन्य है आपकी महिमा। आपका नाम ही सभी प्रकार के कष्टों को हर लेता है।

सत्य शुद्ध देवन मुख गाया । बजी दुन्दुभी शंख बजाया ॥

- आपके सत्य और शुद्ध स्वरूप की देवताओं ने वंदना की और शंख व नगाड़े बजाए।

सत्य सत्य तुम सत्य सनातन । तुमहीं हो हमरे तन मन धन ॥

- आप ही सत्य और सनातन हैं। आप ही हमारे तन, मन और धन के स्वामी हैं।

याको पाठ करे जो कोई । ज्ञान प्रकट ताके उर होई ॥

- जो व्यक्ति इस राम चालीसा का पाठ करता है, उसके हृदय में ज्ञान का प्रकाश हो जाता है।

आवागमन मिटै तिहि केरा । सत्य वचन माने शिव मेरा ॥

- उसका पुनर्जन्म का चक्र समाप्त हो जाता है। शिवजी ने यह सत्य वचन कहा है।

और आस मन में जो ल्यावै । तुलसी दल अरु फूल चढ़ावै ॥

- जो व्यक्ति अपने मन की कोई और इच्छा लेकर तुलसी दल और फूल अर्पित करता है, उसकी भी मनोकामना पूरी होती है।

साग पत्र सो भोग लगावै । सो नर सकल सिद्धता पावै ॥

- जो व्यक्ति साधारण पत्तों से भी भोग लगाता है, वह सभी प्रकार की सिद्धियों को प्राप्त कर लेता है।

अन्त समय रघुबर पुर जाई । जहाँ जन्म हरि भक्त कहाई ॥

- अंत समय में वह व्यक्ति भगवान राम के धाम (अयोध्या) को प्राप्त करता है और हरि भक्त के रूप में जन्म लेता है।

श्री हरि दास कहै अरु गावै । सो वैकुण्ठ धाम को पावै ॥

- जो व्यक्ति हरिदासजी के वचनों को मानकर यह चालीसा गाता है, वह वैकुण्ठ धाम को प्राप्त करता है।

॥ दोहा ॥
सात दिवस जो नेम कर पाठ करे चित लाय । हरिदास हरिकृपा से अवसि भक्ति को पाय ॥

- जो व्यक्ति सात दिनों तक नियमपूर्वक इस चालीसा का पाठ करता है, वह हरिदासजी की कृपा से अवश्य ही भक्ति प्राप्त करता है।

राम चालीसा जो पढ़े रामचरण चित लाय । जो इच्छा मन में करै सकल सिद्ध हो जाय ॥

- जो व्यक्ति राम चालीसा का पाठ करके अपने चित्त को रामचरणों में लगाता है, उसकी सभी मनोकामनाएं पूरी हो जाती हैं।

Ram Chalisa Lyrics in English

□ Doha □
Aadau Ram tapovanaadi gamanam hatvaah mriga kaanchanam,
Vaidehi haranam Jataayu maranam Sugreeva sambhaashanam,

Baali nirdalam samudra taranam Lankaapuri daahanam,
Pashchadraavanam Kumbhakarna hananam etaddhi Ramayanam.

□ Chaupai □
Shri Raghubeer bhakta hitakaari. Suni leejai Prabhu araz hamaari.

Nishi din dhyaan dharai jo koi. Taa sam bhakta aur nahi hoi.

Dhyaan dhare Shivaji man maahin. Brahma Indra paar nahi paahin.

Jaya jaya jaya Raghunath kripala. Sadaa karo santan pratipaala.

Doot tumhaar veer Hanumaana. Jaasu prabhaav tihun pur jaana.

Tuv bhujadand prachand kripala. Raavan maari suran pratipaala.

Tum anaath ke naath Gosaaeen. Deenan ke ho sadaa sahaayeen.

Brahmaadik tav paar na paavain. Sadaa Eesh tumharo yash gaavain.

Chaariyu Ved Bharat hain saakhee. Tum bhaktan ki lajjaa raakhee.

Gun gaavat Sharad man maahin. Surapati taako paar na paahin.

Naam tumhaar let jo koi. Taa sam dhanya aur nahi hoi.

Ram naam hai aparampaaraa. Chaarihu Vedan jaahi pukaaraa.

Ganapati naam tumhaaro leenhon. Tinako pratham poojya tum keenhon.

Shesh ratat nit naam tumhaaraa. Mahi ko bhaar sheesh par dhaaraa.

Phool samaan rahat so bhaaraa. Paavat kou na tumharo paaraa.

Bharat naam tumharo ur dhaaro. Taason kabahun na ran mein haaro.

Naam Shatrughan hriday prakaasha. Sumirat hot shatru kar naasha.

Lashan tumhaare aagyaakaari. Sadaa karat santan rakhavaari.

Taate ran jeete nahi koi. Yuddh jure yamhun kin hoi.

Maha Lakshmi dhar avataaraa. Sab vidhi karat paap ko chhaaraa.

Seeta Ram puneeta gaayo. Bhuvaneshwari prabhaav dikhayo.

Ghat so prakat bhai so aayi. Jaako dekhat Chandra lajayi.

So tumhare nit paanv palotat. Navo niddhi charanan mein lotat.

Siddhi athaarah mangal kaari. So tum par jaavai balihaari.

Aurahu jo anek prabhutaaee. So Seetapati tumahin banaayi.

Ichchha te kotin sansaaraa. Rachat na laagat pal ki baaraa.

Jo tumhare charanan chit laavai. Taako mukti avas hi ho jaavai.

Sunahu Ram tum taat hamaare. Tumahin Bharat kul-poojya prachaare.

Tumahin dev kul dev hamaare. Tum guru dev praan ke pyaare.

Jo kuchh ho so tumheen raajaa. Jaya jaya jaya Prabhu rakho laajaa.

Rama aatma poshan haare. Jaya jaya jaya Dashrath ke pyaare.

Jaya jaya jaya Prabhu jyoti swaroopa. Nigun Brahm akhand anoopa.

Satya satya jaya satya-vrat Swami. Satya sanaatan antaryaami.

Satya bhajan tumharo jo gaavai. So nishchay chaaron phal paavai.

Satya shapath Gauripati keenhi. Tumne bhakthahin sab siddhi deenhi.

Gyaan hriday do gyaan swaroopa. Namo namo jaya Jaapati bhoopa.

Dhanya dhanya tum dhanya prataapaa. Naam tumhaar harat santaapaa.

Satya shuddh devan mukh gaaya. Baji dundubhi shankh bajaaya.

Satya satya tum satya sanaatan. Tumheen ho hamare tan man dhan.

Yaako paath kare jo koi. Gyaan prakat taake ur hoi.

Aavaagaman mitai tihi keraa. Satya vachan maane Shiv meraa.

Aur aas man mein jo lyaavai. Tulsi dal aru phool chadhaavai.

Saag patra so bhog lagaavai. So nar sakal siddhataa paavai.

Ant samay Raghubar pur jaai. Jahaan janm Hari bhakt kahai.

Shri Hari Das kahai aru gaavai. So Vaikunth dhaam ko paavai.

□ Doha □
Saat divas jo nem kar paath kare chit laay.
Haridas Harikripa se avasi bhakti ko paay.

Ram chalisaa jo padhe Ramcharan chit laay.
Jo ichchha man mein karai sakal siddh ho jaay.

Ram Chalisa Meaning in English

□ Doha □
Aadau Ram tapovanaadi gamanam hatvaah mriga kaanchanam,
At first, Ram went to the forest and killed the golden deer.

Vaidehi haranam Jataayu maranam Sugreeva sambhaashanam,
Vaidehi (Sita) was abducted, Jatayu was killed, and Ram conversed with Sugreeva.

Baali nirdalam samudra taranam Lankaapuri daahanam,
Bali was defeated, Ram crossed the ocean, and Lanka was burned down.

Pashchadraavanam Kumbhakarna hananam etaddhi Ramayanam.
Later, Ravana and Kumbhakarna were killed; this summarizes the Ramayana.

□ Chaupai □
Shri Raghubeer bhakta hitakaari. Suni leejai Prabhu araz hamaari.
O Shri Raghubeer, benefactor of your devotees, please listen to my request.

Nishi din dhyaan dharai jo koi. Taa sam bhakta aur nahi hoi.
Anyone who meditates on you day and night becomes the greatest devotee.

Dhyaan dhare Shivaji man maahin. Brahma Indra paar nahi paahin.
Even Shiva meditates upon you, and Brahma and Indra cannot fully comprehend your greatness.

Jaya jaya jaya Raghunath kripala. Sadaa karo santan pratipaala.
Victory to you, merciful Raghunath! Always protect the saints.

Doot tumhaar veer Hanumaana. Jaasu prabhaav tihun pur jaana.
Your messenger, the mighty Hanuman, is known throughout the three worlds.

Tuv bhujadand prachand kripala. Raavan maari suran pratipaala.
With your mighty arms, you defeated Ravana and protected the gods.

Tum anaath ke naath Gosaaeen. Deenan ke ho sadaa sahaayeen.
You are the protector of the helpless and always the helper of the needy.

Brahmaadik tav paar na paavain. Sadaa Eesh tumharo yash gaavain.
Even Brahma and other gods cannot fathom your greatness; they always sing your praises.

Chaariyu Ved Bharat hain saakhee. Tum bhaktan ki lajjaa raakhee.
The four Vedas bear witness to your virtues, and you always protect your devotees' honor.

Gun gaavat Sharad man maahin. Surapati taako paar na paahin.
Saraswati sings of your virtues, and even the king of gods cannot comprehend them fully.

Naam tumhaar let jo koi. Taa sam dhanya aur nahi hoi.
Whoever takes your name is blessed beyond compare.

Ram naam hai aparampaaraa. Chaarihu Vedan jaahi pukaaraa.
The name of Ram is eternal and infinite, praised by the four Vedas.

Ganapati naam tumhaaro leenhon. Tinako pratham poojya tum keenhon.
Ganapati (Ganesha) took your name, and you made him the first to be worshiped.

Shesh ratat nit naam tumhaaraa. Mahi ko bhaar sheesh par dhaaraa.
Sheshnag constantly chants your name while bearing the earth on his hood.

Phool samaan rahat so bhaaraa. Paavat kou na tumharo paaraa.
For him, this burden feels like a flower, and no one can surpass your greatness.

Bharat naam tumharo ur dhaaro. Taason kabahun na ran mein haaro.
Those who hold your name, like Bharat, never face defeat in battle.

Naam Shatrughan hriday prakaasha. Sumirat hot shatru kar naasha.
Shatrughan's heart shines with your name, and enemies perish by remembering you.

Lashan tumhaare aagyaakaari. Sadaa karat santan rakhavaari.

Laxman always obeys your commands and protects the saints.

Taate ran jeete nahi koi. Yuddh jure yamhun kin hoi.
Therefore, no one can defeat you in battle; you are victorious in all wars.

Maha Lakshmi dhar avataaraa. Sab vidhi karat paap ko chhaaraa.
As the incarnation of Maha Lakshmi, you destroy all sins.

Seeta Ram puneeta gaayo. Bhuvaneshwari prabhaav dikhayo.
Sita and Ram are pure and glorious; their influence is seen across the worlds.

Ghat so prakat bhai so aayi. Jaako dekhat Chandra lajayi.
You appeared from the pot, making even the moon feel shy.

So tumhare nit paanv palotat. Navo niddhi charanan mein lotat.
The nine treasures always bow and roll at your feet.

Siddhi athaarah mangal kaari. So tum par jaavai balihaari.
The eighteen perfections that bring prosperity are devoted to you.

Aurahu jo anek prabhutaaee. So Seetapati tumahin banaayi.
All other divine powers were created by you, the consort of Sita.

Ichchha te kotin sansaaraa. Rachat na laagat pal ki baaraa.
By your wish, millions of worlds are created in an instant.

Jo tumhare charanan chit laavai. Taako mukti avas hi ho jaavai.
Those who focus on your feet are sure to attain liberation.

Sunahu Ram tum taat hamaare. Tumahin Bharat kul-poojya prachaare.
Listen, O Ram, you are the revered deity of Bharat’s lineage.

Tumahin dev kul dev hamaare. Tum guru dev praan ke pyaare.
You are the god of gods and the beloved of the soul.

Jo kuchh ho so tumheen raajaa. Jaya jaya jaya Prabhu rakho laajaa.
Whatever happens, you are the king; glory to you, O Lord, protect our honor.

Rama aatma poshan haare. Jaya jaya jaya Dashrath ke pyaare.
You nourish the soul; glory to you, beloved of Dashrath.

Jaya jaya jaya Prabhu jyoti swaroopa. Nigun Brahm akhand anoopa.
Glory to you, Lord, the embodiment of divine light, the infinite, formless Brahman.

Satya satya jaya satya-vrat Swami. Satya sanaatan antaryaami.
Truthful and eternal, glory to you, O master of truth, the eternal and omniscient.

Satya bhajan tumharo jo gaavai. So nishchay chaaron phal paavai.
Whoever sings your truthful praise attains all four fruits of life.

Satya shapath Gauripati keenhi. Tumne bhakthahin sab siddhi deenhi.
Lord Shiva took a truthful oath, and you granted all success to your devotees.

Gyaan hriday do gyaan swaroopa. Namo namo jaya Jaapati bhoopa.

Grant knowledge to the heart, O embodiment of wisdom; glory to you, King of Kings.

Dhanya dhanya tum dhanya prataapaa. Naam tumhaar harat santaapaa.
Blessed is your glory; your name removes all suffering.

Satya shuddh devan mukh gaaya. Baji dundubhi shankh bajaaya.
The pure gods sing your praise, and drums and conches are sounded.

Satya satya tum satya sanaatan. Tumheen ho hamare tan man dhan.
You are the eternal truth and our very being.

Yaako paath kare jo koi. Gyaan prakat taake ur hoi.
Those who recite this gain enlightenment in their hearts.

Aavaagaman mitai tihi keraa. Satya vachan maane Shiv meraa.
Their cycle of birth and death ends, as Shiva has testified.

Aur aas man mein jo lyaavai. Tulsi dal aru phool chadhaavai.
They offer basil leaves and flowers with faith.

Saag patra so bhog lagaavai. So nar sakal siddhataa paavai.
They offer simple food and attain all success.

Ant samay Raghubar pur jaai. Jahaan janm Hari bhakt kahai.
At the end of life, they reach Raghubar’s abode and are reborn as devotees.

Shri Hari Das kahai aru gaavai. So Vaikunth dhaam ko paavai.
Hari Das sings, and such a person reaches Vaikunth (Lord Vishnu’s abode).

□ Doha □
Saat divas jo nem kar paath kare chit laay.
Those who recite with devotion for seven days,

Haridas Harikripa se avasi bhakti ko paay.
Surely receive divine grace and devotion from Lord Hari.

Ram chalisaa jo padhe Ramcharan chit laay.
Those who read this Ram Chalisa with focus on Ram’s feet,

Jo ichchha man mein karai sakal siddh ho jaay.
Whatever they desire in their hearts will be fulfilled.